।।कीर्तन की है रात बाबा।।

(तर्ज: एक तेरा साथ.....)
कीर्तन की है रात बाबा, आज थानें आनो है,
थाने कौल निभाणो है।। टेर ।।
दरबार साँवरिया, ऐसो सज्यो प्यारो, दयालु आपको,
सेवा में साँवरिया, सगला खड्या डीकै, हुकुम बस आपको,
सेवा में थारी, म्हाने आज विछजाणो है,
थाने ....
कीर्तन की है त्यारी, कीर्तन करां जमकर, प्रभु क्यूं देर करो,
वादो थारो दाता, कीर्तन में आणे को, धणी क्यूं देर करो,
भजनां सूं थाने, म्हाने आज रिझाणो है,
थाने ....
जो कुछ बण्यो म्हासूं, अर्पण प्रभु सारो, प्रभु स्वीकार करो,
नादान सूं गलती, होती ही आई है, प्रभु मत ध्यान धरो,
नन्दू साँवरिया, थारो दास पुराणो है,
.

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com